समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



कक्षा - 10

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 6

चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

श्री अरविंद कुमार सिंह (1930-2021)

भाग – 2

अभ्यासमाला

पल्लवी कलिता

बोध एवं विचार —

1. सही विकल्प का चयन करो —

(क) पत्र को उर्दू में क्या कहा जाता है?

(अ) खत

(आ) चिट्ठी

(इ) कागद

(ई) लेख

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) पत्र लेखन है —

(अ) एक तरीका

(आ) एक व्यवस्था

(इ) एक कला ✓

(ई) एक रचना



(ग) विश्व डाक संघ ने पत्र लेखन की प्रतियोगिता शुरू की —

(अ) सन् 1970 से

(आ) सन् 1971 से

(इ) सन् 1972 से

(ई) सन् 1973 से

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) महात्मा गाँधी के पास दुनियाभर से तमाम पत्र किस पते पर आते थे —

(अ) मोहन दास करमचन्द गाँधी - भारत

(आ) महात्मा गाँधी - भारत

(इ) बापू जी-इंडिया

(ई) महात्मा गाँधी- इंडिया

(ड.) तमाम सरकारी विभागों की तुलना में सबसे ज्यादा गुडविल किसकी है —

(अ) रेल विभाग

(आ) डाक विभाग

(इ) शिक्षा विभाग

(ई) गृह विभाग

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में) —

(क) पत्र ऐसा क्या काम कर सकता है, जो संचार का आधुनिकतम साधन भी नहीं कर सकता?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में) —

(क) पत्र ऐसा क्या काम कर सकता है, जो संचार का आधुनिकतम साधन भी नहीं कर सकता?

उत्तर : विचारों और भावों के आदान-प्रदान का अन्यतम माध्यम है पत्र । पत्र के जरिए जो भाव और अनुभूति महसूस की जा सकती है, वह बाकी आधुनिकतम साधन नहीं कर सकते। पत्र के माध्यम से उन भावों को सहेज कर रखा जा सकता है ।

(ख) चिट्ठियों की तेजी अन्य किन साधनों के कारण बाधा प्राप्त हुई है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) चिट्ठियों की तेजी अन्य किन साधनों के कारण बाधा प्राप्त हुई है?

उत्तर : दूर संचार के आधुनिकतम साधनों ने चिट्ठियों को तेजी से रोका है। फैक्स, इंटरनेट, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल आदि आधुनिक साधनों के कारण चिटियों की तेजी में बाधा आई है। पत्र से कोई भी संदेश भेजने में वक्त लगता है, जबकि इन आधुनिक साधनों से अति शीघ्र कोई भी संदेश भेजा जा सकता है।

(ग) पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश क्यों नहीं दे सकता?



(ग) पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश क्यों नहीं दे सकता?

उत्तर : पत्र जैसा सन्तोष फोन या एसएमएस का संदेश इसलिए नहीं दे सकता क्योंकि फोन के एसएमएस द्वारा केवल कामकाजी बातों को संक्षिप्त रूप से व्यक्त कर सकते हैं। पत्रों द्वारा हम अपने मनोभावों को खुलकर व्यक्त कर सकते हैं। पत्रों से आत्मीयता झलकती है। पत्र को हम संजोकर रख सकते हैं; परंतु फोन कॉल या एसएमएस उतने स्थायी नहीं होते ।

(घ) गाँधीजी के पास देश-दुनिया से आये पत्रों का जवाब वे किस प्रकार देते थे?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) गाँधीजी के पास देश-दुनिया से आये पत्रों का जवाब वे किस प्रकार देते थे?

उत्तर : गांधी जी के पास देश-दुनिया से बड़ी संख्या में पत्र पहुँचते थे पर पत्रों का जवाब देने के मामले में उनका कोई जोड़ नहीं था। कहा जाता है कि जैसे ही उन्हें पत्र मिलता था, उसी समय वे उसका जवाब भी लिख देते थे। अपने हाथों से ही ज्यादातर पत्रों का जवाब देते थे। जब लिखते-लिखते उनका दाहिना हाथ दर्द करने लगता था तो वे बाएँ हाथ से लिखने में जुट जाते थे।

(ङ) कैसे लोग अब भी बहुत ही उत्सुकता से पत्रों का इंतजार करते हैं?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) कैसे लोग अब भी बहुत ही उत्सुकता से पत्रों का इंतजार करते हैं?

उत्तर : शहरी इलाकों में आलीशान हवेलियाँ हो या झोपड़ी में रहने वाले लोग, जंगलों से घिरे गाँव हो या पहाड़ों के ऊपर बने हुए मकान, मछुवारे हो या फिर रेगिस्तान की ढाणियों में रहने वाले लोग, सब आज भी बड़ी उत्सुकता से पत्रों का इंतजार करते हैं। खासकर दूर सीमा पर तैनात सैनिक तो पत्रों का इंतजार बेसब्री से करता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में) —

(क) पत्र को खत, कागद, उत्तरम, लेख इत्यादि कहा जाता है। इन शब्दों से संबंधित भाषाओं के नाम बताओ।

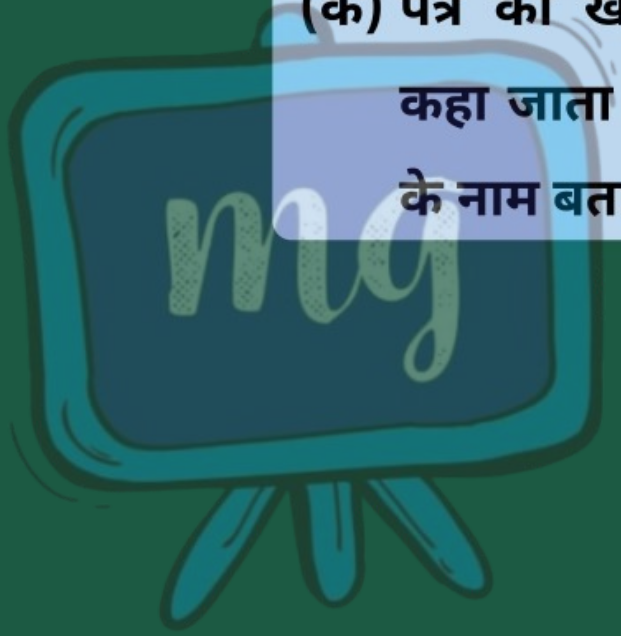

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में) —

(क) पत्र को खत, कागद, उत्तरम, लेख इत्यादि कहा जाता है। इन शब्दों से संबंधित भाषाओं के नाम बताओ।

उत्तर : दुनिया का तमाम साहित्य पत्रों पर केंद्रित है और मानव सभ्यता के विकास में इन पत्रों ने अनूठी भूमिका निभाई है। पत्र को उर्दू में खत, कन्नड़ में कागद और तेलगू में उत्तरम या लेख आदि कहा जाता है।

(ख) पाठ के अनुसार भारत में रोज कितनी चिट्ठियाँ डाक में डाली जाती है और इससे क्या साबित होता है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) पाठ के अनुसार भारत में रोज कितनी चिट्ठियाँ डाक में डाली जाती है और इससे क्या साबित होता है?

उत्तर : पाठ के अनुसार भारत में रोज करोड़ों पत्र डाक में डाली जाती है। एक दूसरे को तलाशते तमाम ठिकानों तक पहुँचते हैं। भारत में ही रोज साढ़े चार करोड़ चिट्ठियाँ डाक में डाली जाती हैं जो साबित करती हैं कि पत्र कितनी अहमियत रखते हैं।

(ग) क्या चिट्ठियों की जगह कभी फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ले सकते हैं?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) क्या चिट्ठियों की जगह कभी फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ले सकते हैं?

उत्तर : प्रत्येक वस्तु का अपना एक अलग महत्व होता है। उसी प्रकार आज तकनीकी दुनिया में भी चिट्ठियों की जगह कोई नहीं ले सकता है। पत्र लेखन एक साहित्यिक कला है परन्तु फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल जैसे तकनीकी माध्यम केवल काम-काज के क्षेत्र में महत्वपूर्ण हैं। आज ये आवश्यकताओं में आते हैं फिर भी ये पत्र का स्थान नहीं ले सकते हैं।

(घ) किनके पत्रों से यह पता चलता है कि आजादी की लड़ाई बहुत ही मजबूती से लड़ी गयी थी?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) किनके पत्रों से यह पता चलता है कि आजादी की लड़ाई बहुत ही मजबूती से लड़ी गयी थी?

उत्तर : दुनिया के तमाम संग्रहालय में जानी-मानी हस्तियों के पत्रों का अनूठा संकलन है। भारत में आजादी के पहले महासंग्राम के दिनों में जो कुछ अंग्रेज अफसरों ने अपने परिवारजनों को पत्र में लिखे, वे आगे चलकर बहुत महत्व की पुस्तक तक बन गई । इन पत्रों से साबित हुआ कि भारत में आजादी की लड़ाई कितनी मजबूती से लड़ी गयी थी।

(ङ) संचार के कुछ आधुनिक साधनों के नाम उल्लेख करो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) संचार के कुछ आधुनिक साधनों के नाम उल्लेख करो।

उत्तर : आधुनिक विज्ञान प्रौद्योगिकी ने आज अपने नए-नए आविष्कारों से जिंदगी को सरल बनाने साधन प्रदन किए है । जिस तरह प्रिंट मीडिया के अतंर्गत डाक पत्र, सरकारी पत्र, समाचार पत्र, पत्रिकाओं से लेकर भिन्न प्रकार की पुस्तकें छपने लगी हैं। उसी तरह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अंतर्गत दूरदर्शन, रेडियो, कंप्यूटर, मोबाइल, टेलीफोन, फैक्स, ई-मेल, इंटरनेट, टेलीग्राम, वायरलेस, एसएमएस आदि नित नए संचार की सुविधाओं में संयोजन हो रहा है।

3. सम्यक् उत्तर दो (लगभग 100 शब्दों में) —

(क) पत्र लेखन की कला के विकास के लिए क्या-क्या प्रयास हुए?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. सम्यक् उत्तर दो (लगभग 100 शब्दों में) —

(क) पत्र लेखन की कला के विकास के लिए क्या-क्या प्रयास हुए?

उत्तर : पत्र देखने में साधारण सी लगती है, लेकिन यह साधारण पत्र दुनिया का तमाम साहित्य, राजनीति, आदि सभी क्षेत्रों में जितनी प्रभावशाली भूमिका निभाता है, उसके साथ आज के आधुनिकतम साधन की तुलना ही नहीं। यह भी सत्य कि पत्र के साथ आधुनिकतम वैज्ञानिकों के आविष्कार में काफी प्रतियोगिता बढ़ी है। हजारों सालों से पुराने पत्र व्यवस्था के स्थान पर आज मोबाइल, फैक्स, ई-मेल, इन्टरनेट, रडार आये है। लेकिन पत्र लेखन आज भी बरकरार ही है।

पिछली शताब्दी में पत्र लेखन एक कला के रूप में विकसित हुआ था। डाक व्यवस्था के सुधार के साथ पत्र व्यवस्था विकास में भी सुधार लाया है। इस व्यवस्था में स्कूली पाठ्यक्रम में पत्र लेखन शामिल करके विकास के प्रयास किए गए। भारत के अलावा विश्व के कई देशों में यह प्रयास शुरू हुआ था। सफल भी हुए थे। विश्व डाक संघ ने और एक कदम आगे बढ़कर 1972 सन् से 16 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों के लिए पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित किए थे। नये आधुनिक साधनों के तेज विकास तथा अन्य कारणों से पत्रों की दुनिया में बाधाएँ आयी है, फिर भी सरकारी व्यवस्था तथा व्यापारिक व्यवस्था में पत्र का व्यवहार लगातार बढ़ता रहा है।

(ख) वास्तव में पत्र किसी दस्तावेज से कम नहीं है- कैसे ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) वास्तव में पत्र किसी दस्तावेज से कम नहीं है- कैसे ?

उत्तर : वास्तव में पत्र किसी दस्तावेज से कम नहीं। क्यों कि किसी पत्र से उस समय के सामाजिक, राजनैतिक, साहित्य तथा लिखने वाले के व्यक्तिगत मनोदशा की लेखाजोखा मिलती है। इसमें सुमित्रानंदन पंत जी के दो सौ पत्र बच्चन के नाम तथा सूर्यकांत त्रिपाठी जी के भी पत्र हमको मिलते है। इसमें प्रेमचंद, जी भी पीछे नहीं है वे नये लेखकों को प्रेरक जवाब देते थे तथा पत्रों के जवाब में वे बहुत तत्पर रहते थे। जिससे नये लेखक को प्रेरणा मिलती है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

प. - नेहरू, महात्मा गांधी, रवीन्द्रनाथ टैगोर आदि के पत्र देश के प्रेरणा ही नहीं महान दस्तावेज है, दलील है, जिसे देश के नये पीढ़ियों को प्रेरणा देते आये है। महात्मा गांधी और रवींद्रनाथ जी के बीज सन 1915 से 1941 तक जितनी पत्र का आदान प्रदान हुआ ये सब संग्रहित रूप में प्रकाशित हुआ। जिससे देश के लिए नये तथ्यों और उनकी मनोदशा का लेखा जोखा मिलता है। इस प्रकार किसी देश के लिए, किसी परिवार के लिए पुरखों के पत्रों का संग्रह एकप्रकार दस्तावेज के रूप में माना जाता है।

(ग) भारतीय डाकघरों की बहुआयामी भूमिका पर आलोकपात करो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) भारतीय डाकघरों की बहुआयामी भूमिका पर आलोकपात करो।

उत्तर : भारतीय डाकघर लाखों की उम्मीद पूरी करने वाला विभाग है । देश के तमाम सरकारी विभागों में से भारतीय डाक विभाग महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश के प्रायः जनता इससे सम्पर्क में आया है। शहरों के इमारतों में रहने वालों से लेकर झोपड़ी में रहने वालों तक डाक सेवा का प्रभाव पड़ा हुआ है। आज डाक व्यवस्था में पत्रों की ही आदान-प्रदान नहीं करते। अन्य व्यवस्था जैसे पार्सल, रेकारिंग डिपॉजिट, सेविंग्स आदि अनेक अर्थसंबंधी कार्य कर रहे हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

डाक विभाग के कार्यक्रम देश विदेश तक फैले हूए हैं। दूर अगम्य इलाकों में डाक विभाग के कृपा से जो मनीआर्डर पहुँचते है, उससे चुल्हे जलते है। वहाँ डाकिया को देवदूत के रूप में माना जाता है। इस प्रकार से देखा जाता है कि भारतीय डाकघरों की भूमिका बहुत ही प्रभावित है।

भाषा एवं व्याकरण-ज्ञान

1. केवल 'पत्र' कहने से सामान्यतः चिट्ठियों के बारे में ही समझा जाता है। परंतु अन्य शब्दों के साथ संयोग से पत्र का अर्थ बदल जाता है, जैसे समाचार पत्र। अब पत्र शब्द के योग से बनने वाले पाँच शब्द लिखो।

भाषा एवं व्याकरण-ज्ञान

1. केवल 'पत्र' कहने से सामान्यतः चिट्ठियों के बारे में ही समझा जाता है। परंतु अन्य शब्दों के साथ संयोग से पत्र का अर्थ बदल जाता है, जैसे समाचार पत्र। अब पत्र शब्द के योग से बनने वाले पाँच शब्द लिखो।

उत्तर : प्रश्नपत्र, निमंत्रण पत्र, आवेदन पत्र, शिकायती पत्र, प्रार्थना पत्र ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. 'व्यापारिक' शब्द व्यापार के साथ 'इक' प्रत्यय के योग से बना है। 'इक' प्रत्यय के योग से बनने वाले पाँच शब्द पुस्तक से खोजकर लिखो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. 'व्यापारिक' शब्द व्यापार के साथ 'इक' प्रत्यय के योग से बना है। 'इक' प्रत्यय के योग से बनने वाले पाँच शब्द पुस्तक से खोजकर लिखो।

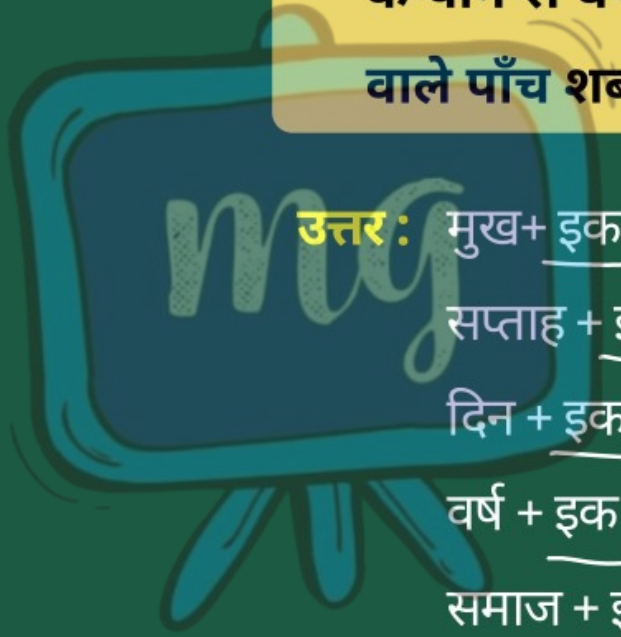

उत्तर : मुख+ इक = मौखिक

सप्ताह + इक = साप्ताहिक

दिन + इक = दैनिक

वर्ष + इक = वार्षिक

समाज + इक = सामाजिक।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. दो स्वरों के मेल से होने वाले परिवर्तन को स्वर संधि कहते हैं।

जैसे— रवीन्द्र = रवि + इन्द्र। इ + इ = ी

इस संधि में इ इ ई हुई है। इसे दीर्घ संधि कहते हैं।

संधियाँ चार प्रकार की मानी गई हैं —

1. दीर्घ
2. गुण
3. वृद्धि
4. यण

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca Foundation

ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ के साथ ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ, आ आए तो ये आपस में मिलकर क्रमशः दीर्घ आ, ई, ऊ हो जाते हैं, इसी कारण इस संधि को दीर्घ संधि कहते हैं,

जैसे — संग्रह + आलय = संग्रहालय, अ + आ = आ

महा + आत्मा = महात्मा।

इस प्रकार के दस उदाहरण खाजेकर लिखो और अपने शिक्षक को दिखाओ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca Foundation

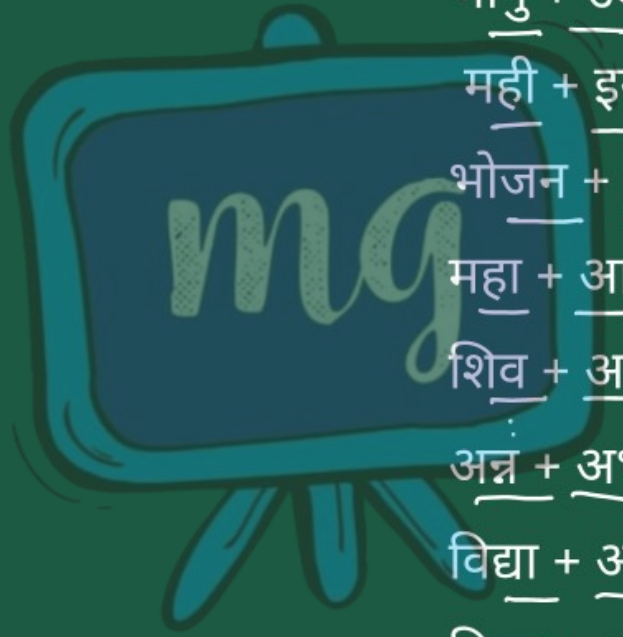

उत्तर:

गिरि + इन्द्र = गिरीन्द्र ।

भानु + उदय = भानूदय।

मही + इन्द्र = महीन्द्र ।

भोजन + आलय = भोजनालय।

महा + आशय = महाशय।

शिव + आलय = शिवालय।

अन्न + अभाव = अन्नाभाव।

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी।

विद्या + आलय = विद्यालय।

परि + ईक्षा = परीक्षा

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

योग्यता-विस्तार —

1. पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए उपाय सुझाते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उत्तरः

प्रिय मित्र,

गुवाहाटी
दिनांक...

नमस्ते,

आशा है कि तुम स्वस्थ और खुशहाल हो। मैं यहाँ ठीक हूँ और मेरी पढ़ाई भी अच्छी चल रही है ।

आज मैं तुम्हें एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर पत्र लिख रहा हूँ। आज बहुत दिनों से एक बात पर चिंता हो रही है हैं कि चारों ओर का पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है । प्रदूषण के कारण मानव के स्वस्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है । इसको रोकने में हम किस प्रकार सहयोग कर सकते हैं?

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

इस समस्या का समाधान यह है कि पहले पूरी घटना को समाचार पत्रों में देकर सरकार की दृष्टि आकर्षित करना है। फिर इस पर नियम जारी करके लोगों को सचेत करते हुए कम से कम प्रदूषण होने या प्रदूषण को रोकने में कोशिश किया जा सकता है। चारों ओर अधिकाधिक वृक्ष लगाए जाएँ, आबादी वाले क्षेत्र खुले हो,हवादार हो, हरियाली ही हरियाली हो । इसमें विद्यार्थियाँ भी सहयोग दे सकते हैं। । आशा है, तुम्हें मेरा यह सुझाव अच्छा लगा होगा । पत्र मिलने के बाद इसका उत्तर देना ।

माताजी व पिताजी को मेरा चरण स्पर्श

तुम्हारा मित्र

2. पुस्तकालय में खोजकर जवाहरलाल नेहरू द्वारा इंदिरा गांधी को लिखे गये पत्रों का संग्रह 'पिता के पत्र पुत्री के नाम' पढ़ो और उन पत्रों में वर्णित विविध विषयों का ज्ञान प्राप्त करके मित्रों के साथ चर्चा करो।